

कार्यालय अंचल अधिकारी, सिमरिया।

—:आदेश:—

सकलदीप साव वगै०, पिता—स्व० धनेश्वर साव, ग्राम—अमगांवा
बनाम्

सुधीर साव वगै०, पिता— स्व० कमलधारी साव, ग्राम—अमगांवा

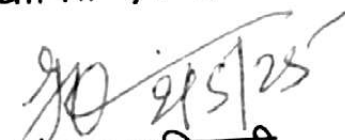
केस का प्रकार:—विविध वाद सं०— 40/2024-25

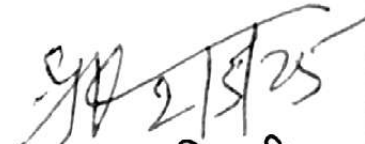
आदेश की क्रम संख्या और तारीख	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर	आदेश पर की गई कार्रवाई के बारे में टिप्पणी तारीख—सहित
1	2	3
	<p>अभिलेख आदेश हेतु उपस्थापित किया गया है। सकलदीप साव, तुलसी साहु वगै० ग्राम—अमगांवा द्वारा आवेदन देकर अवगत कराया गया कि मौजा—कुरुम के खाता सं०—04 सर्वे खतियान के अनुसार 14.42 ए० भूमि का लगान रसीद बिहारी महतो के नाम से निर्गत हो रहा था, जो मेरे दादा हैं। मौजा—कुरुम के खाता सं०—03 सर्वे खतियान के अनुसार 14.48 ए० भूमि का लगान रसीद प्रयाग महतो के नाम से निर्गत हो रहा था। सकलदीप साव, तुलसी साहु वगै० द्वारा यह भी उल्लेख किया गया कि मेरा खतियान 03 एवं 04 का कुल रकवा—28.90 ए० होता है जिसमें सुधीर साव वगै० इस खतियान के अंतर्गत नहीं आते हैं।</p> <p>द्वितीय पक्ष द्वारा बताया गया कि खानगी बंटवारा के अनुसार हमलोगों का लगान रसीद निर्गत की गई है एवं हमलोग खाता—02,03,04,05 एवं 06 पर कई वर्षों से जोत आबाद करते आ रहे हैं।</p> <p>उभय पक्षों को नोटिस निर्गत कर अपना—अपना पक्ष रखने हेतु पर्याप्त अवसर दिया गया एवं दोनों पक्षों द्वारा राजस्व कागजात प्रस्तुत किया गया जिसका अवलोकन किया। राजस्व कागजात अभिलेख में संलग्न।</p> <p>प्रथम पक्ष— प्रथम पक्ष के द्वारा खाता सं०—03 एवं 04 का ऑनलाईन खतियान के साथ—साथ ऑफलाईन खतियान भी प्रस्तुत किया गया। एवं खाता सं०—03 व 04 का लगान रसीद प्रस्तुत किया गया जिसमें खाता सं०—04 बिहारी महतो के नाम से वर्ष—1962—63 का लगान रसीद सं०—570114 एवं खाता सं०—03 का लगान रसीद वर्ष—1960—61 का लगान रसीद सं०—258228 प्रस्तुत किया गया। प्रथम पक्ष के विद्वान अधिवक्ता के द्वारा जिक्र किया गया कि खतियान में सन्निहित खाता सं०—02,05,06 के साथ खाता सं०—03,04 को सम्मिलित कर लगान रसीद निर्गत की गई है, जिसका कोई साक्ष्य नहीं है। विद्वान अधिवक्ता के द्वारा यह भी बताया गया कि माननीय उच्च न्यायालय झारखण्ड, राँची के W.P.(C) No 1345 of 2011 के कण्डिका (B) के पारा—09 के गाइडलाइन अनुसार सिर्फ रेंट रिसीप्ट के आधार पर मालिकाना हक नहीं दी जा सकती है।</p> <p>द्वितीय पक्ष— द्वितीय पक्ष के द्वारा सादा बंटवारानामा की छायाप्रति उपलब्ध कराया</p>	

गया एवं ऑनलाईन खतियान प्रस्तुत किया गया है, जिसमें खाता सं०-03,04,05,06 है। साथ ही साथ खाता सं०-02 धनु महतो, खाता सं०-03 नारायण महतो वल्द मानिक महतो, खाता सं०-04 मीना महतो वल्द मानिक महतो, खाता सं०-05 सीदर महतो वल्द बुधन महतो से संबंधित ऑफलाईन खतियान उपलब्ध कराया गया। खाता सं०-02,03,04,05 एवं 06 का लगान रसीद वर्ष-1965-66 लगान रसीद सं०-321810 एवं लगान रसीद वर्ष-2015-16 लगान रसीद सं०-011324 प्रस्तुत किया गया। द्वितीय पक्ष के विद्वान अधिवक्ता के द्वारा जिक्र किया गया कि आवेदकगण आपस में खानगी बंटवारा करते आ रहें, जिसके अनुसार लगान रसीद निर्गत की गई है। प्रथम पक्ष के द्वारा सादा बंटवारानामा को सही नहीं माना गया है। राजस्व उपनिरीक्षक द्वारा जांच प्रतिवेदन की मांग अंचल निरीक्षक के माध्यम से प्राप्त है, जिसमें उल्लेखित है कि मौजा-कुरुम थाना नं०-196 खाता सं०-02,03,04,05,06 प्लॉट सं०- दर्ज नहीं है एवं रकवा-5.2950 ए० भूमि पंजी-11 के पृष्ठ सं०-14/1 पर इश्वर साव वगै० के नाम से जमाबंदी कायम है एवं लगान रसीद वर्ष-1993-96 तक निर्गत है, अन्य पृष्ठ संख्या-20/1, 15/1, 13/1 पर जमाबंदी कायम है, लेकिन परिवर्तन के लिए प्राधिकार कॉलम रिक्त है एवं यह भी उल्लेख किया गया है कि जमाबंदी रैयत के वंशज को खाता सं०-02,03,04,05 एवं 06 में जोत आबाद एवं दखल कब्जा अस्पष्ट है एवं स्थल जाँच से यह भी तथ्य सामने आया कि सभी पक्षों का कब्जा दिये गये प्लॉट में नहीं है तथा खानगी बंटवारा के अनुसार नहीं है।

उपरोक्त दोनों पक्षों/माननीय विद्वान अधिवक्ता के ब्यान, प्रस्तुत साक्ष्य एवं राजस्व उपनिरीक्षक/अंचल निरीक्षक के जाँच प्रतिवेदन एवं सभी बिन्दुओं के अवलोकन से प्रतीत होता है कि यह मामला हक हकियत का है तथा इसका निपटारा सक्षम न्यायालय से ही किया जाना उचित प्रतीत होता है। असंतुष्ट पक्ष सक्षम न्यायालय जा सकते हैं।

लेखापित एवं संशोधित।


अंचल अधिकारी,
सिमरिया


अंचल अधिकारी,
सिमरिया।